वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 | अंक : 355 | सोमवार 24 अप्रैल 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जी-20 टूरिज्म एक्सपो का जयपुर में शुभारंभ

फॉरन टूर ऑपरेटर्स पैलेस ऑन व्हील्स से पहुंचे पिंकसिटी

जयपुर. कासं

पर्यटन से संबंधित जी-20 टूरिज्म एक्सपो का शुभारंभ जयपुर के होटल रामबाग पैलेस में सुबह 10.30 बजे किया गया। वहीं शाम को शाम 7 बजे द ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार (जीआईटीबी) के 12वें संस्करण का उद्घाटन जयमहल पैलेस में आयोजित हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में राजस्थान सरकार के पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। जी-20 टूरिज्म एक्सपो में शामिल होने के लिए 22 अप्रेल, शाम को फॉरेन टूर ऑपरेटर्स और जी-20 देशों के प्रतिनिधि पैलेस ऑन व्हील्स से जयपुर में गांधी नगर स्टेशन पहुंचे। रेलवे स्टेशन पर राजस्थान टूरिज्म डवलपमेंट कॉर्पोरेशन (आरटीडीसी) के चेयरमैन, धर्मेंद्र सिंह राठौड़ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मेहमानों के लिए रेलवे स्टेशन पर लोक प्रस्तुतियों का आयोजन हुआ। इसके अतिरिक्त सचिव, पर्यटन, भारत सरकार, अरविंद सिंह; प्रमुख सचिव, पर्यटन, राजस्थान सरकार, गायत्री राठौड़, फिक्की टूरिज्म एंड कल्चरल कमेटी के चेयरपर्सन, दीपक देवा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उद्घाटन सत्र के बाद दो अन्य सेशंस आयोजित किए गए - जिसमें पहला सेशन रोल ऑफ टूरिज्म टूवर्ड्स वन वर्ल्ड, सस्टेनेबिलिटी एंड इन्क्लूसिव ग्रोथ विषय पर रहा, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त सचिव, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, एम.आर सिनरेम ने किया। वहीं दूसरा सेशन ''डेवलपिंग टूरिज्म इकोनॉमी बाय डेस्टिनेशन मैनेजमेंट एंड एम्पावर्ड एमएसएमई'' विषय पर हुआ, जिसकी अध्यक्षता महानिदेशक, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, मनीषा सक्सेना ने किया। 24 एवं 25 अप्रैल को सीतापुरा स्थित जेईसीसी में दो दिन 11,000 पूर्व-निर्धारित, संरचित बी2बी बैठक होंगी। इस व्यापक आयोजन में 56 देशों से 283 प्रमुख इनबाउंड फॉरेन टूर ऑपरेटर्स (एफटीओ) फॉरेन बॉयर्स के रूप में हिस्सा लेंगे। मार्ट के दौरान प्रमुख होटल चेन, लक्जरी रिसॉर्ट्, हेरिटेज होटल एवं स्पा के साथ-साथ हेल्थ केयर संस्थानों, निवेशकों, वित्तीय संस्थानों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस, क्रूज लाइनर्स , सड़क परिवहन संगठनों और स्टेट टूरिज्म बोर्ड्स द्वारा अपने पर्यटन उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। इंटरनेशनल मार्ट के इस विशाल बाजार में 300 बूथ्स पर लगभग 290 भारतीय एग्जीबिटर्स द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, द ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार 2023 (जीआईटीबी) के संयोजन में गोल्फ टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जी 20 टूरिज्म एक्सपो गोल्फ इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। गुलाबी नगरी के रामबाग गोल्फ कोर्स में 24 अप्रैल की सुबह 50 से अधिक गोल्फर्स खेलेंगे। प्रतिभागियों में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, डिप्लोमेट्स, इंडस्ट्री लीडर्स और महिला गोल्फर्स शामिल होंगी। गौरतलब है कि जीआईटीबी का आयोजन पर्यटन विभाग, राजस्थान सरकार; पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन को होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (एचआरएआर), और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स (राटो) जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और क्षेत्रीय एसोसिशंस का सहयोग प्राप्त है।

जीआईटीबी के उद्घाटन में शामिल हुए राजस्थान के कई बड़े चेहरे

वहीं शाम को जयमहल पैलेस में द ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार के उद्घाटन के अवसर पर पर्यटन मंत्री, राजस्थान सरकार, विश्वेंद्र सिंह; पर्यटन राज्य मंत्री, राजस्थान सरकार, मुरारी लाल मीणा; सचिव, पर्यटन, भारत सरकार, अरविंद सिंह; राजस्थान की मुख्य सचिव उषा शर्मा; चेयरमैन, आरटीडीसी,धर्मेंद्र सिंह राठौड़; पूर्व प्रेसिडेंट, फिक्की, डॉ. ज्योत्सना सूरी; महासचिव, फिक्की, शैलेष पाठक सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

राजस्थान में लगातार बढ़ रहा कोरोना

2052 टेस्ट में से 401 मिले संक्रमित, जयपुर में सबसे ज्यादा 117 मरीज

जयपुर. कासं। राजस्थान में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रविवार को एक बार फिर संक्रमित मरीजों का आंकड़ा 400 को पार कर गया। जिनमें सबसे ज्यादा 117 संक्रमित मरीज राजधानी जयपुर में मिले हैं। जिसके बाद प्रदेश में कुल संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 3750 पर पहुंच गई। हेल्थ डिपार्टमेंट ने बीते 24 घंटों में 2052 लोगों के सैंपल लिए थे। जिसके आधार पर राजधानी जयपुर में 117, चित्तौड़गढ़ में 56, अजमेर में 49, उदयपुर में 42, भरतपुर में 31, नागौर में 16 संक्रमित मरीज मिले है।

जबकि बीते 24 घंटे में एक भी संक्रमित मरीज की मौत नहीं हुई है। वहीं 431 मरीज कोरोना संक्रमण से रिकवर हो चुके हैं जिसके बाद राजस्थान में सबसे ज्यादा 938 संक्रमित मरीज राजधानी जयपुर में है। वहीं भरतपुर में 439, उदयपुर में 320, चित्तौड़गढ़ में 249, अजमेर में 237, बीकानेर में 200, नागौर में 159 और अलवर में 141 संक्रमित मरीज मौजूद है। राजस्थान में कोविड के बढ़ते केसों को देखते हुए हेल्थ डिपार्टमेंट ने सभी सीएमएचओ को टेस्टिंग बढ़ाने के निर्देश दिए है। इसके साथ ही डॉक्टर्स को निर्देश दिए है कि जिन मरीजों में कोविड के लक्षण दिखे उनकी जांच जरूर करवाने के लिए कहा था। इसके बाद प्रदेश में लगातार टेस्टिंग की संख्या में बढ़ोतरी हुई थी। वहीं रविवार को महज 2052 टेस्ट ही हुए। बावजूद इसके संक्रमित मरीजों की संख्या 400 के आकड़े को पार कर गई है।

मेवाड़ धरा के महारथी ''जार'' अवार्ड से नवाजे गए

पुरुषों के लिए अयोजित पहला सम्मान समारोह

उदयपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब पन्ना उदयपुर, एम स्क्वायर प्रोडक्शन एंड इवेंट्स के साझे में 'जार' सम्मान समारोह की दूसरी कड़ी शनिवार को प्रताप नगर स्थित दी ब्लू फेदर होटल में आयोजित हुई। सम्मान समारोह में मेवाड़ सहित राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरुषों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम संयोजक भानुप्रताप सिंह ने बताया कि जार अवॉर्ड के तहत इस बार विशेषकर पुरुषों को सम्मानित किया गया। शहर में संभवतया यह पहला मौका था जब कला, साहित्य, संस्कृति, फोटोग्राफी, संगीत, शिक्षा, समाजसेवा, पत्रकारिता, व्यावसायिक क्षेत्र आदि में महनीय योगदान के कारण नागरिक अभिनंदन दिया। एम स्क्वायर प्रॉडक्शन एंड इवेंट्स के सीईओ मुकेश माधवानी ने बताया कि हमारा प्रयास रहता है कि हम राजस्थान की उन प्रतिभाओं को सम्मानित करें जो अपनी काबिलियत के दम पर स्वयं का नाम रोशन करते हुए प्रदेश को भी एक विशिष्ट पहचान दिला रहे हैं। माधवानी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि ने शहर के सूक्ष्म कृति शिल्पकार चंद्रप्रकाश चितौडा की उदयपुर स्थापना दिवस पर बनाई सूक्ष्म पुस्तिका 'घणी खम्मा' का लोकार्पण भी किया। जिसमें उन्होंने उदयपुर के खूबसूरत प्राकृतिक दृश्य एवं पर्यटन स्थलों के चित्रों को शामिल किया है। रोटरी क्लब के अध्यक्ष महेश सेन ने बताया कि सम्मान समारोह कार्यक्रम की मुख्य अतिथि वल्लभनगर विधायक प्रीति शक्तावत, विशिष्ट अतिथि आईएचआरएसओ के नेशनल प्रेसिडेंट उमेश यादव, रोटरी के पीडीजी निर्मल सिंघवी के कर कमलों द्वारा पुरुस्कार प्रदान किए गए। **इन सभी को मिला जार सम्मानः** आशीष छाबड़ा, अख्तर अली सिद्धिकी, आलोक शर्मा, अमित जोतवानी, अमिताभ तिवारी, अनूप जाम्भानी, बी के खट्टर, भूपेंद्र पंवार, चिमन सिंह, दीपक शर्मा, धीरज, दिनेश गोठवाल, दिनेश कोठारी, दिनेश उपाध्याय, डॉ. मुकेश बारबर, गिरिश राजानी, हिमांशु राजावत, केजी गुप्ता, करण सिंह, कंवलजीत सिंह, कुलदीप सिंह राव, मुकेश शर्मा, नवीन गहलोत, प्रशांत अग्रवाल, डॉ. प्रेम भंडारी, राहुल भटनागर, राकेश शर्मा राजदीप, राजेश कसेरा, ऋषि शर्मा, आरजे हिमांशु, संजय गिरी, संजीत चौहान, संतोष कालरा, शाहिद परवेज, शाहरुख खान, सोनू कपूर, सौरभ वलवानी, विजय धांधडा और विष्णु शर्मा हितेषी। समूचे कार्यक्रम में एंकरिंग मीनाक्षी भेरवानी ने की। इस अवसर पर रोटरी पन्ना मेंबर्स सचिव हिमांशु टेलर, हितेंद्र मेहता, अशोक पालीवाल, राजेश शर्मा, स्मिता बैराठी, हेमंत धाभाई, चेतन प्रकाश, तारिका भानुप्रताप धाभाई भी मौजूद रहे।

रिपोर्ट/फोटो
राकेश शर्मा 'राजदीप' मोबाइलः 9829050939

उदयपुर का वैभवः झीलें एवं संस्कृति का हुआ विमोचन

4000 चित्रोंयुक्त बहुरंगी 500 पृष्ठों की पुस्तक का निःशुल्क होगा वितरण

उदयपुर. शाबाश इंडिया

भौगोलिक दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान अपने बहुरंगी भौतिक एवं सांस्कृतिक स्वरूप से विश्वविख्यात है। इसी राज्य के दक्षिण में अरावली पर्वतमालाओं के मध्य अवस्थित उदयपुर शहर अपनी ऐतिहासिक विरासत, नैसर्गिक सुन्दरता व सांस्कृतिक वैभव से विश्व के श्रेष्ठतम शहरों में शुमार है। इन सभी को संकलित करते हुए शहर के जाने माने समाजसेवी डॉ. एल.एल.धाकड़ द्वारा लिखित पुस्तक उदयपुर का वैभवः झीलें एवं संस्कृति का रविवार शाम सोलिटेयर गार्डन में आयोजित एक समारोह में मुख्य अतिथि सांसद अर्जुनलाल मीणा, समारोह अध्यक्ष उमाशंकर शर्मा, मुख्य वक्ता डॉ. एस.एल.मेहता, विशिष्ट अतिथि महापौर जी.एस.टांक एवं गीतांजली के केम्पस डायरेक्टर डॉ. एन.एस.राठौड़ ने विमोचन किया। 5 वर्ष के अथक प्रयास के बाद प्रकाशित हुई पुस्तक के बारे में बताते हुए डॉ.धाकड़ ने कहा कि पुस्तक में उदयपुर जिले की समस्त झीलों, उनकी भौगोलिक स्थिति और संस्कृति का विस्तृत वर्णन किया गया है। उन्होंने अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा कि 70 वर्ष पूर्व एवं वर्तमान की झीलों की स्थिति में बहुत अन्तर आ गया है। आयड़ नदी के वर्तमान स्वरूप पर कहा कि यह नदी है। यदि हम सिंगापुर जैसे छोटे से देश से झील संरक्षण के प्रयासों की जानकारी ले कर चलें तो हम अपने शहर में पर्यटकों की संख्या में बहुत अधिक वृद्धि कर सकते है जबकि अभी इसकी

सालाना ग्रोथ दर मात्र डेढ़ प्रतिशत है। उदयपुर शहर का भौगोलिक, प्राकृतिक एवं आर्थिक आधार यहां का झील तंत्र है, इसीलिए इस शहर को लेकसिटी या झीलों की नगरी से भी संबोधित किया जाता है। यह कृति उदयपुर के इतिहास, भूगोल, नागरिकों, पर्यटन स्थलों, त्योहारों के साथ शहर की वर्तमान समस्याओं का सटीक एवं निष्पक्ष विवेचन करते हुए उनके समाधान का मार्ग भी सुझाती है। उदयपुर की झीलें और संस्कृति ऐसी अद्भुत धरोहर है जिस पर हम सब गर्व कर सकते हैं, लेकिन वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इन झीलों और संस्कृति की दुर्दशा से हम सब अवगत हैं। जल प्रदूषण, झीलों में अतिक्रमण व गंदगी, अव्यवस्थित नौकायन जैसी अनेक गंभीर समस्याएं हैं, जो समुचित समाधान का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक की बिक्री नहीं की जायेगी। इसे राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय वाचनालयों, शहर के संभ्रान्त नागरिकों, राज्य सरकार एवं अधिकारियों के पास पहुंचाया जायगा ताकि पुस्तक में झीलों एवं संस्कृति को बचानें के सन्दर्भ में कहीं गई बातों का हल निकाला जा सके। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ.एन.एस.राठौड़. ने कहा कि यह पुस्तक एक बहुत बड़ा ग्रन्थ है। एक शहर की एक एनसाईक्लोपिडिया है। जिसे जनता सदियों तक याद रखेगी। यह पुस्तक हम सभी को झीलों व संस्कृति को लेकर जागरूक करेगी। मुख्य वक्ता डॉ. एस.एल.मेहता ने कहा कि डॉ.धाकड़ ने जिस प्रकार का कार्य किया है उसे आने वाली पीढ़ी हमेशा याद रखेगी। डॉ. धाकड़ के अतुलनीय प्रयासों की प्रंशसा करते हुए इसे शहर की एक धरोहर बताया। इस पुस्तक को पढ़ कर भावी पीढ़ी काफी लाभान्वित होगी। मुख्य अतिथि सांसद मीणा ने कहा कि हम सभी अपनी दैनिक गतिविधियों के साथ शहर, झीलों एवं सांस्कृतिक विरासत को स्वच्छ एवं अतिक्रमण मुक्त रखने में सहभागी बनें। महत्वपूर्ण विरासतों को सहेजते हुए इनके सुनियोजित विकास में स्थानीय प्रशासन के साथ आमजन, बुद्धिजीवी, भामाशाह आदि भी अपनी अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। **कार्यक्रम का संचालन आलोक पगारिया ने किया। रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप'**

सितंबर में होगा 5 लाख ब्राह्मणों का महासंगम

भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह के शस्त्र पूजन दिवस मनाया, भगवान परशुराम शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता थे :- पं. सुरेश मिश्रा

जयपुर. शाबाश इंडिया। सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा परशुराम जन्मोत्सव पर पूरे प्रदेश में कहीं षोभा यात्रा और पूजा अर्चना के अनेक आयोजन किये जा रहे है। समारोह में आज जयपुर में भगवान परशुराम की पूजा अर्चना और शस्त्र पूजन सर्व ब्राह्मण महासभा के बनीपार्क स्थित खण्डाका मैरिज गार्डन पर आयोजित हुआ। जिसमें बडी संख्या में विप्र जनों ने भाग लिया। विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट कमलेश शर्मा ने बताया कि समारोह में आज सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रधान कार्यालय पर सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा सपत्नीक श्रीमती नीलम मिश्रा के सानिध्य में भगवान परशुराम जी के शस्त्र पूजन किया गया। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने उपस्थित ब्राह्मण जनों को शपथ दिलाई की हम सब ''सर्वजन सुखाय'' ''सर्वजन हिताय'' की भावना के साथ काम करेंगे और समाज के प्रत्येक व्यक्ति की मदद करेगें । भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए ब्राह्मण समाज का योगदान सर्वोपरि रहेगा। साथ ही सितम्बर माह में जयपुर में 5 लाख ब्राह्मणों का महासंगम होगा। परशुराम विष्णु के अवतार हैं और मातृ और पितृ भक्ति के सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। इन्होनें आतंकियों का नाश करने का संकल्प लिया और जब-जब आतंकियों ने आतंक फैलाया तो उनका समुल नाश किया। मिश्रा ने कहा है कि भगवान परशुराम ना केवल ब्राह्मणों के आराध्य है यह तो पहले वो व्यक्ति थे जिन्होंने आतंक के खिलाफ फरसा उठाया। वे शस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता थे। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को शस्त्र और शास्त्र की जानकारी होनी चाहिए।

वैशाख शुक्ला अक्षय तृतीया पर्व का भव्य आयोजन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एस.एफ.एस. मानसरोवर में प्रातः शांति धारा अभिषेक के पश्चात विशाल 3 वेदी आदिनाथ भगवान महावीर स्वामी और पारसनाथ भगवान की वेदी पर समाज के सभी परिवारों द्वारा एक एक जोड़ी चढ़ाने की घोषणा कर 64 64 चवर जोड़ी तीनों वेदीयो को सुशोभित करने हेतु मंत्रोच्चारण से लगवाने मैं सहयोग देकर भव्य आयोजन किया । समिति के महामंत्री सौभाग मल जैन ने सभी के तिलक और माला लगाकर सम्मान किया समिति के अध्यक्ष डॉ राजेश काला ने दिए गए सहयोग में सभी परिवार जनों का आभार व्यक्त किया।

बेजुबान पक्षियों के लिए 51 परिंडे परिषद सदस्यों द्वारा लगाए

जयपुर. शाबाश इंडिया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद मानसरोवर संभाग द्वारा द्वारकादास गार्डन पार्क मानसरोवर जयपुर मे आज दिनांक 23.4 2023 रविवार सुबह 7:30 बजे परिंडा लगाने का कार्यक्रम किया गया। परिषद के अध्यक्ष अशोक बिंदायका ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अभय पुरोहित चेयरमैन नगर निगम जयपुर थे ' बेजुबान पक्षियों के लिए 51 परिंडे परिषद सदस्यों द्वारा लगाए व वितरण भी किए गए। परेंडो में पानी व दाना भी डाला गया। परिंडा में पानी डालने के लिए कई व्यक्तियों ने जिम्मेदारी ली है। कार्यक्रम में परम शिरोमणि सरक्षक डॉ राजीव जैन व परम शिरोमणि सरक्षक सतीश कासलीवाल थे। परम सरक्षक जय प्रकाश व कार्यक्रम के सहयोग कर्ता दौलत स्नेहलता गंगवाल , रवि मोना दीवान, पारस कामिनी बोहरा, मनीष रुचि सेठी, मुकेश जैन थे।

108 ज्ञेय सागर जी महाराज का तृतीय आचार्य पदारोहण दिवस मनाया

श्री महावीरजी. शाबाश इंडिया। स्थानीय दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी सृष्टि मंगलम में विराजमान समाधिरथ षष्ठपट्टाचार्य श्री 108 ज्ञानसागर जी महाराज के परम पूज्य शिष्य सप्तम पट्टाचार्य श्री 108 ज्ञेय सागर जी महाराज का आज तृतीय आचार्य पदारोहण दिवस मनाया गया। मुनि श्री ज्ञेय सागर जी महाराज का तृतीय दीक्षा दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत चित्र अनावरण राजेंद्र भंडारी मुरैना के द्वारा किया गया। दीप प्रज्वलन राजेंद्र भंडारी मुरैना, राजकुमार गुड्डू आगरा, अनूप भंडारी ने किया। मंगलाचरण बा. ब्र. नवीन भैया आगरा ने किया। आचार्य श्री का पाद प्रक्षालन राजेंद्र भंडारी मुरेना ने किया मुनि श्री का पाद प्रक्षालन सुमित जैन गाजियाबाद ने किया।

वेद ज्ञान

स्वयं को पहचानें...

ऊंचाई विकास का प्रतीक है। ऊपर उठने का अर्थ है दृष्टि बदल जाना। नीचे रहने पर जो चीजें हमें लुभाती हैं और हमारे लिए बहुत बड़ी होती हैं, जैसे-जैसे ऊपर उठते जाएं, वे छोटी और अनाकर्षक होती जाती हैं। कभी वायुयान की खिड़की से नीचे देखें, तो बड़े-बड़े महल माचिस की डिब्बी जैसे लगते हैं, आलीशान कारें चीटियों-सी रेंगती नजर आती हैं। लोग बिंदु जैसे दिखते हैं। ऊंचे उठने पर हमें यह भी अहसास होता है कि हमारे पैरों तले कोई आधार नहीं है और जीवन का कोई भरोसा नहीं। अधिक ऊपर चले जाएं तो नीचे एक शून्य के दर्शन होते हैं और तीव्र विरक्ति पैदा होती है। यह शून्य ही वास्तविकता है, किंतु हम इसे मानने को तैयार नहीं हैं। ऊपर उठने के बाद हमें ऊपर की विशालता और सुंदरता का भी ज्ञान होता है। जिसे हमने अपनी दुनिया समझ रखा था, वह वास्तव में व्यापक रचना का बिंदु मात्र है। जिसे हम सुंदर मान कर मोहित हो रहे थे, वह सुंदरता का आभास है। व्यापक और वास्तविक सुंदरता तो तब नजर आती है, जब हम समदृष्टि से पूरे ब्रह्मांड को एकबारगी देख पाते हैं। नीचे रह के हमारी देखने की क्षमता संकुचित हो जाती है और जो कुछ हमें दिख रहा होता है, उसे ही सच और सुंदर मान लेने के अतिरिक्त हमारे पास और कोई विकल्प नहीं होता। ऐसा नहीं कहा जा सकता कि जितना हम देख पा रहे हैं, दुनिया उसके आगे नहीं है। देखने, सुनने और समझने की हमारी सीमाएं हैं। यह भी तय है कि सच अपार और अनंत है। यदि ऐसा न होता, तो नित नई खोजें, नई जानकारियां हमें विस्मित न करती रहतीं। ऋषियों, मुनियों, धर्मात्माओं ने ऊंचे उठकर नए अनुभव हासिल किए, जिनमें से कुछ उन्होंने संसार के साथ बांटे भी। इसके बावजूद हमारा ज्ञान अति अल्प है। मनुष्य अभी तक जन्म और मृत्यु का ही रहस्य नहीं समझ पाया है। यदि निश्चित और अंतिम कुछ नहीं है तो मनुष्य स्वयं को ज्ञानी कैसे कह सकता है? हमारी समस्या है कि हमने निकटता वहां पैदा कर ली है, जहां दूरी होनी चाहिए। इससे हम वहां से दूर हो गए हैं, जहां हमें पहुंचना था। हम अपनी समझ के बनाए गए बुलबुले में कैद हो कर रह गए हैं। इससे बाहर आना ही ऊपर उठना है। तभी हम अपना उत्थान कर सकते हैं। सच तो यह है कि जो व्यक्ति अपना उत्थान या आत्म-कल्याण नहीं कर सकता, वह परिवार का कल्याण, समाज का कल्याण और राष्ट्र का कल्याण कदापि नहीं कर सकता।

संपादकीय

आबादी तरक्की का बड़ा आधार भी और परेशानी भी...

चीन में जीवन की अवधि भारत की अपेक्षा अधिक होने की वजह से उस पर बुजुर्ग आबादी का बोझ अधिक है। आबादी किसी भी देश की तरक्की का बड़ा आधार होती है, मगर इसके साथ ही संसाधनों पर उसका बोझ बढ़ने से कई दुश्वारियां भी पैदा होती हैं। इसलिए स्वाभाविक ही आबादी के मामले में भारत के शीर्ष पर पहुंचने को लेकर एक तरफ उत्साह है, तो दूसरी तरफ चिंताएं भी गहरी हुई हैं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के आंकड़ों के मुताबिक भारत ने आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ दिया है। हालांकि कुछ लोगों में इस आंकड़े को लेकर भ्रम की स्थिति बनी रही कि भारत इस पायदान पर अभी पहुंच गया है या दो महीने बाद यानी जून तक पहुंचेगा। मगर बहस इस बात पर होनी चाहिए कि इस जनसंख्या वृद्धि के निहितार्थ क्या हैं। ताजा आंकड़े जारी होने के बाद चीन ने कहा है कि उसके पास अब भी नब्बे करोड़ से अधिक लोगों का गुणवत्ता वाला मानव संसाधन है। चीन की पीड़ा समझी जा सकती है। दरअसल, जनसंख्या के बल पर ही उसने नब्बे के दशक से आर्थिक तरक्की की है।

हालांकि पंद्रह से चौंसठ साल आयुवर्ग की कामकाजी आबादी के मामले में चीन अब भी भारत से आगे है। भारत की अपेक्षा उसके पास इस आयुवर्ग के एक करोड़ लोग अधिक हैं। मगर चौदह साल से कम उम्र की आबादी के मामले में भारत की तुलना में चीन काफी पिछड़ गया है। यानी आने वाली कामकाजी पीढ़ी भारत के पास अधिक होगी। इसी तरह चीन में जीवन की अवधि भारत की अपेक्षा अधिक होने की वजह से उस पर बुजुर्ग आबादी का बोझ अधिक है। माना जा रहा है कि भारत अपनी आबादी के बल पर विकास के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा। पिछले कुछ सालों में इसकी विकास दर पर इसका असर भी साफ देखा गया है। हालांकि चीन ने अपनी प्रजनन दर पर काफी अंकुश लगाया है। भारत भी इस दिशा में सतर्क है और उसकी प्रजनन दर 2.2 से घट कर 2.0 पर आ गई है। इसलिए वह अनिवार्य परिवार नियोजन जैसी योजना पर कोई कदम नहीं बढ़ा रहा। हालांकि उसे संसाधनों पर बढ़ते आबादी के दबाव को कम करने में काफी वक्त लगेगा। एक तरफ जलवायु परिवर्तन के चलते खाद्यान्न उत्पादन पर असर देखा जा रहा है, तो दूसरी तरफ रोजगार के मोर्चे पर अपेक्षित कामयाबी नहीं मिल पा रही है। इससे संबंधित तमाम योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पा रही हैं। ऐसे में विकास दर की रफ्तार कितनी तेज होगी, फिलहाल दावा करना मुश्किल है। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने में सरकार को खासी मशक्कत करनी पड़ती है। आबादी अधिक होने का ही नतीजा है कि इन दोनों क्षेत्रों में सरकार पर्याप्त बजटीय आबंटन नहीं कर पाती। चौदह साल तक की उम्र के सभी बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का कानून होने के बावजूद साठ फीसद से कम ही बच्चे उच्चतर माध्यमिक कक्षाओं तक पहुंच पाते हैं। ऐसे में कौशल विकास संबंधी योजनाओं की सफलता भी प्रश्नांकित होती रहती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भाषा की बाधा

बहुभाषिक देश होने की वजह से हमारे यहां प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा का संवैधानिक प्रावधान है। यह अच्छा भी है, क्योंकि बच्चा अपनी मातृभाषा में ही सही ढंग से रचनात्मक सोच विकसित कर पाता है। मगर शिक्षा संबंधी यही भाषायी सुविधा बच्चे के लिए असुविधा बन जाती है, जब वह उच्च शिक्षा के लिए जाता है। खासकर तकनीकी विषयों की पढ़ाई मातृभाषा में कराने की व्यवस्था विकसित ही नहीं की गई। तर्क यह दिया गया कि चूंकि तकनीकी शब्दावली के भारतीय भाषाओं में पर्याय बनाना जटिल काम है, इसलिए उनकी शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी रखना ही उचित होगा। हालांकि अब कुछ राज्य सरकारों ने हिंदी और दूसरी भाषाओं में इंजीनियरिंग, चिकित्सा आदि तकनीकी विषयों की पढ़ाई का प्रयास भी शुरू किया है, मगर पढ़ाने वालों के सामने भाषा संबंधी अड़चनें बनी हुई हैं। इसलिए उच्च शिक्षा में बच्चों का अंग्रेजी से पिंड नहीं छूट पा रहा। वे जैसे-तैसे जोड़तोड़ कर अंग्रेजी में लिखी किताबों से सिद्धांतों और अवधारणाओं को तो आत्मसात कर लेते हैं, मगर जब परीक्षा देने की बारी आती है, तो उनके हाथ-पांव ठंडे पड़ जाते हैं। अनेक मेधावी बच्चे भी परीक्षा में इसीलिए पिछड़ जाते हैं कि उत्तर अंग्रेजी में नहीं लिख पाते। अब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इस अड़चन को दूर करने का कदम उठाया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष ने सभी विश्वविद्यालयों को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि वे विद्यार्थियों को स्थानीय भाषाओं में भी परीक्षा देने का अवसर उपलब्ध कराएं। बेशक पाठ्यक्रम अंग्रेजी में हो, पर उन्हें सवालों का जवाब स्थानीय भाषा में लिखने का अवसर मिलना चाहिए। यूजीसी ने विश्वविद्यालयों से यह भी अनुरोध किया है कि तकनीकी विषयों की पुस्तकें स्थानीय भाषाओं में भी तैयार कराने का प्रयास होना चाहिए। यह एक तरह से उसी कदम की अगली कड़ी है, जिसके तहत कुछ राज्य सरकारें तकनीकी विषयों की पाठ्यपुस्तकें भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराने के प्रयास में जुटी हैं। यह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास पैदा करने और प्रतिभा विकास की दृष्टि से तो अच्छी पहल है, मगर व्यावहारिक स्तर पर इसकी सफलता को लेकर सवाल बने ही रहेंगे। उच्च शिक्षा में केवल डिग्री हासिल करना मकसद नहीं होता। उसमें शोध और अनुसंधान की स्वाभाविक अपेक्षा जुड़ी होती है। इसलिए विश्वस्तरीय शोध और अनुसंधान की दृष्टि से स्थानीय भाषाओं में शिक्षा प्राप्त करना अड़चन बन सकता है। फिर, व्यावहारिकता के स्तर पर इसकी उपयोगिता को लेकर बड़ा प्रश्नचिह्न लग जाता है। चिकित्सा विज्ञान में अद्यतन शोधों की जानकारी के बिना काम नहीं चल सकता, इसे स्थानीय भाषा में ग्रहण करना थोड़ा जटिल है। तर्क यह भी दिया जाता है कि जब सामाजिक विज्ञान और कला विषयों में विद्यार्थी अपनी मर्जी से भाषा माध्यम का चुनाव कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकता है, तो तकनीकी विषयों में ऐसा क्यों संभव नहीं है। कुछ विद्यार्थी ऐसे भी उदाहरण हैं, जिन्होंने आइआइटी में अपना शोध हिंदी में लिख कर जमा कर चुके हैं और उनकी प्रतिभा किसी से कम नहीं है। फिर कहा यह भी जाता है कि तकनीकी विषयों का व्यावहारिक उपयोग आखिरकार स्थानीय लोगों के बीच ही किया जाता है, इसलिए उन्हीं की भाषा में उसे अभिव्यक्त करना पड़ता है। इस तरह दोनों पक्षों के दृष्टिगत कुल मिला कर अड़चन संस्थानों और शिक्षकों का स्थानीय भाषाओं के प्रति उदासीन भाव ही स्पष्ट होता है।

वरिष्ठ समाज सेवी संपतराय पाटनी की पुण्य स्मृति में शांति विधान व भजन संध्या का आयोजन

लाडनूं. शाबाश इंडिया

लाडनूं दिगंबर जैन समाज के वरिष्ठ समाज सेवी स्व. संपतराय जी पाटनी (निखार जयपुर) की पुण्य स्मृति में उनके परिजनों के सौजन्य से स्थानीय बड़ा जैन मंदिर में श्री शांति विधान व जैन भवन में विख्यात लोकप्रिय भजन गायक संजय जैन के सान्निध्य में णमोकार जाप व भजन संध्या का आयोजन किया गया। संपतराय जी पाटनी ने लाडनूं की जैन संस्थाओं श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर, श्री महावीर स्कूल, जैन स्कूल, व श्री महावीर हीरोज के शीर्ष पदों को सुशोभित किया। अपने जयपुर प्रवास के उपरांत भी वे लाडनूं की सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों से निरंतर जुड़े रहे। अपने सौम्य व आकर्षक व्यक्तित्व व निश्चल मन तथा निस्वार्थ समाज सेवा में सदैव तत्पर रहने के कारण वे समाज में अत्यंत लोकप्रिय रहे। जैन भवन में आयोजित भजन संध्या में समाज के विभिन्न वक्ताओं ने उनके कृतित्व व व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। संपतराय जी के सुपुत्र व जयपुर के सक्रिय सामाजिक धार्मिक कार्यकर्ता नरेंद्र पाटनी ने इस अवसर पर कहा कि वे और उनका पूरा परिवार लाडनूं की दिगंबर जैन समाज की विभिन्न संस्थाओं से उनके पिताजी की तरह ही सदैव जुड़े रहेंगे। इस अवसर पर संपतराय जी के परिजनों के द्वारा सामुहिक वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय जैन समाज के साथ ही बाहर से आए उनके रिश्तेदार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पार्श्व जैन मिलन ने अक्षय तीज पर अपनाघर वृद्धाश्रम पहुंच कर रस वितरण किया

गौरव जैन सिन्नी. शाबाश इंडिया

अशोकनगर। आज अक्षय तीज के पावन दिवस पर पार्श्व जैन मिलन द्वारा सुवह पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में पूजन अभिषेक का कार्यक्रम किया। दोपहर वाद अपनाघर वृद्धाश्रम में जाकर सभी गन्ने के रस का वितरण किया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर नरेश जैन, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर सुनील जैन, शाखा अध्यक्ष वीर जीतू जैन घाटबमुरिया, शाखा मंत्री वीर नीरज ताराई, कार्यक्रम संयोजक वीर अंचल जैन, राष्ट्रीय सदस्य वीर प्रवीण जैन, कोषाध्यक्ष दीपक मलावनी, विनोद जैन, सोरभ जैन, अनुराग जैन, कार्यकारी अध्यक्ष मयंक मोदी, व्रजेन्द्र जैन सहित सभी वीर उपस्थित थे।

परिंडा लगाने का कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा महासभा जिला जयपुर के महारानी फार्म जोन की तरफ से सेवार्थ कार्यक्रमों की श्रंखला में दिनांक 23 अप्रैल 2023 को रविवार सुबह 9:00 बजे महारानी फार्म वाले शिव मंदिर गार्डन में परिंडा लगाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जोन प्रभारी प्रीति जैन ने बताया की कार्यक्रम में अनिल जैन (अध्यक्ष), तरुण जैन (सचिव) अनिता जैन, सांस्कृतिक मंत्री, प्रमिला जी, नेहा जी, सोनिका, संगीता, आरती, कल्पना, पिंकी, पायल, सुनीला, रचना, प्रगीत, योगेश, संदीप और सुजीत और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। 21 परिण्डे लगाकर उनमें पानी और चुग्गा दाना डाला गया। इसी प्रकार के कार्यक्रम भारतवर्षिय दिगंबर जैन युवा महासभा अपने सभी जोनों के मध्यम से करता रहता हैं।

अक्षय तृतीया पर दि. जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर ने किया स्वास्थ्य जागरुकता मैराथन का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर दि. जैन सोश्यल ग्रुप वीर ने स्वास्थ्य जागरूकता मैराथन का आयोजन महाराजा सूरजमल सर्किल, विद्याधर नगर से प्रारम्भ होकर पापड़ वाले हनुमान जी तक किया गया। वीर ग्रुप के सचिव पंकज- कशिश जैन ने बताया कि मैराथन में दि. जैन सोश्यल ग्रुप वीर जयपुर के समस्त सदस्य सपरिवार व मित्रों के सहित सम्मलित हुए। सभी प्रतिभागियों को वीर ग्रुप के अध्यक्ष नीरज- रेखा जैन की तरफ से निःशुल्क टीशर्ट व कैप दी गयी। मैराथन में चार कैटेगरी, महिला, पुरुष व बाल वर्ग (4 वर्ष से 10 वर्ष तक एवं 10 वर्ष से ऊपर सभी बच्चे) रखी गयी थी, जिसमें पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान सुभाष जैन (लाखनपुर वाले), महिला वर्ग में सरिता, बाल वर्ग 10 वर्ष तक मे रिद्धिमा जैन एवं 10 वर्ष से ऊपर में काव्या जैन ने प्राप्त किया।। इस अवसर पर किड्जी स्कूल विद्याधर के निदेशक नीतू व प्रेम गोयल, दीपेश अग्रवाल, गजानंद जी अग्रवाल, घनश्याम लक्षकार, सुनील की गरिमामयी उपस्थिति रही। मैराथन के समापन पर प्रथम स्थान पर रहे विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। अंत मे वीर ग्रुप अध्यक्ष नीरज - रेखा जैन की वैवाहिक वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में आइसक्रीम केक काटकर सेलीब्रेट किया गया व सभी सदस्यों को उनकी तरफ से रुचिकर रिफ्रेशमेंट दिया गया।

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का प्रथम आहार अक्षय तृतीया पर हुआ था

राघौगढ़ में अक्षय तृतीया पर्व मनाया एवं जैन मिलन के नवीन चुनाव हुए

राघौगढ़. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ को 6 महीने के अंतराल के बाद कठोर तपस्या करते हुए अक्षय तृतीया को हस्तिनापुर में राजा श्रेयांश में इक्ष्वाशू गन्ने के रस का आहार दिया था। उसी दिन से आहार की परंपरा प्रारंभ हुई।जैन धर्म अक्षय तृतीया महान पर्व मानकर श्रृद्धा भक्ति से मनाया जाता है। उक्त विचार भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन ने राघौगढ़ में जैन मिलन परिवार द्वारा अक्षय तृतीया पर्व पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए । जैन मिलन राघौगढ़ के मंत्री विकास कुमार जैन ने स्वागत भाषण देते हुए कहा राष्ट्रीय नेतृत्व के आव्हान पर हमें राघौगढ़ नगर में जैन मिलन, महिला जैन मिलन, युवा जैन मिलन के वर्ष 2023 24 के लिए नए पदाधिकारियों के चुनाव करना है। बैठक में सर्वसम्मति से जैन मिलन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार जैन, कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन, मंत्री विकास कुमार जैन चुने गए, इसी प्रकार युवा जैन मिलन के अध्यक्ष आकाश कुमार जैन, उपाध्यक्ष हर्ष कुमार जैन, मंत्री मनीष कुमार जैन आमल्या वाले, महिला जैन मिलन की अध्यक्ष अंतिम जैन, कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता जैन आमल्या वाले, मंत्री सुषमा विनय जैन सर्वसम्मति से चुने गए।

Since : 2013

शाबाश इंडिया

पाक्षिक, साप्ताहिक समाचार पत्र एवं दैनिक ई-पेपर

सफलतम 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर

दशक-ए-शाबाश
पल पल दिल के पास

BOLLYWOOD NIGHT

BOLLYWOOD NIGHT!

एक संगीतमय प्रस्तुति

बुधवार, 26 अप्रैल 2023
समय : सायं 7:30 बजे से

स्थान : वर्धमान ऑडिटोरियम
श्री महावीर स्कुल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर

संगीतमय शाम के साथी

श्री संजय रायजादा
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.बी.सी.एल. फेम)

डॉ. गौरव जैन
अन्तर्राष्ट्रीय गायक
(ए.आर. रहमान फेम)

श्रीमती दीपशिखा जैन
गायिका
(सोनी टीवी गुरूकुल फेम)

श्रीमती रतिका जैन
प्रसिद्ध एंकर
(अंताक्षरी फेम)

आमंत्रित अतिथिगण

समारोह गौरव
माननीय न्यायाधिपति श्रीमान् नरेन्द्र कुमार जी जैन
पूर्व मुख्य न्यायाधीश, सिक्किम हाईकोर्ट

मुख्य अतिथि
श्रीमान् नन्द किशोर जी प्रमोद जी पहाड़िया
ए. आर. एल. ग्रुप

अध्यक्षता
श्रीमान् उमराव मल जी संघी
अध्यक्ष-श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद्

दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता
श्रीमती गुणमाला देवी गंगवाल
धर्मपत्नी स्व. श्री मोहनलाल जी गंगवाल (साड़ी घर वाले)

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् शैलेन्द्र जी गोधा
सम्पादक-दैनिक समाचार जगत

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् सुरेन्द्र जी पाण्ड्या
राष्ट्रीय महामंत्री-दिगम्बर जैन महासमिति

विशिष्ट अतिथि
श्रीमान् महेन्द्र जी पाटनी
मंत्री-अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी

आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं।

निवेदक :
राकेश - समता गोदिका
राजेश - अंजना गोदिका ✲ दिनेश - मीतू गोदिका ✲ सक्षम - आरूषी गोदिका
राज - एस.के. जैन ✲ रचिता - सिद्धार्थ खूंटेटा ✲ अद्विता खूंटेटा
एवं समस्त शाबाश इंडिया परिवार

शाबाश इंडिया
स्थापना दिवस विशेषांक का विमोचन

विमोचनकर्त्ता :
श्रीमान् राजीव जी - सीमा जी गाजियाबाद
प्रमुख समाज सेवी

शाबाश इंडिया

राकेश गोदिका, प्रधान सम्पादक
मोबाइल: 9414078380, 9214078380
shabaasindia.com
rakeshgodika@gmail.com
shabaasindia@gmail.com
रजि. कार्यालय : बी-180, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर
सिटी कार्यालय : प्लॉट नं. 8, ओझा जी का बाग, टोंक रोड, जयपुर

Printed by : VARDHMAN PRINTERS # 9314263204

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, झोटवाड़ा, जयपुर में अक्षया तृतीया पर हुए भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रथम तीर्थंकर श्री आदिनाथ भगवान का पारणा दिवस अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, झोटवाड़ा, जयपुर में मंदिर जी प्रातः अभिषेक के पश्चात बोली के द्वारा श्री आदिनाथ भगवान पर शांतिधारा करने का सौभाग्य प्राप्त किया विमल पवन अक्षय बाकलीवाल परिवार सावरदा वालों ने। तत्पश्चात प्रातः भक्तामर विधान पूजन तत्पश्चात मंदिर जी के बाहर इक्षु रस पिलाया गया। जिनेंद्र भक्तों ने बड़े ही उत्साह के साथ पूजन विधान के पश्चात पूजा करने एवं दर्शनार्थियों ने इक्षु रस का सेवन किया। भक्तामर विधान पूजन एवम इक्षु रस पुण्यार्जक परिवारः दिनेश-अनिता सेठी की 25वी वैवाहिक वर्षगांठ के शुभ अवसर पर मुकेश कुमार जी, नीलम जी, साँझली, हर्षित, अदिति, प्रियांशी एवम समस्त सेठी परिवार जोबनेर वाले।

राजस्थान युवा बोर्ड के अध्यक्ष नेशनल कांफ्रेंस में लेंगे भाग

जयपुर. शाबाश इंडिया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा आयोजित समस्त भारत युवा एवं खेल मंत्री एवं सचिवों की नेशनल कॉन्फ्रेंस इंफाल मणिपुर 24 से 25 अप्रैल 2023 में होगी। जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर करेंगे। राजस्थान राज्य की ओर से श्री सीताराम लांबा राज्यमंत्री अध्यक्ष, राजस्थान युवा बोर्ड .एवं डॉ. जी. एल . शर्मा सचिव राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद इस कांफ्रेंस में भाग लेंगे। साथ ही राज्य के युवा विकास संबंधी और खेलों के संबंधी राजस्थान में होने वाले के युवा व खेल विकास में नवाचारों युवा नीतियों के संबंध में साथ ही राज्य में युवाओं को सक्षम और सशक्त करने हेतु विस्तार से चर्चा करेंगे।

दान का महा पर्व है अक्षय तृतीया : विजय धुर्रा

भाव नगर में निकली विशाल शोभायात्रा। अक्षय तृतीया पर्व को दान दिवस के रूप में मनाया

भाव नगर. शाबाश इंडिया। अक्षय तृतीया ऐसा पर्व है जो कभी क्षय को प्राप्त नहीं होता इस तिथि में आप कोई भी कार्य कर सकते हैं इसे परम पूज्य आध्यात्मिक संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज अवुज मूहूर्त कहा है इस दिन कोई मूहूर्त देखने की आवश्यकता नहीं है आज के दिन ही महाराजा नाभिराय के सुपुत्र महाराजा से महाराज वनकर आदि ब्रह्मा रिषभदेव ने राजा श्रेयांस के घर आहार लेकर उत्कृष्ट दान की शुरूआत की थी उक्त आश्य के उद्गार मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने भवनगर में दान दिवस पर निकलें विशाल चल समारोह के वाद कहीं इसके पहले श्री मन्दिर जी में जगत कल्याण के लिए भगवान की महा शान्ति धारा की गई जिसका सौभाग्य संजीव कुमार अमृतांश भारिल्ल विजय कुमार धुर्रा अशोक कुमार गंज बासौदा प्रदीप कुमार व्यावर श्री जयसुख भाई भावनगर के साथ अन्य भक्तों को मिला। इसके पहले शहर के प्रमुख मार्गों से दान पर्व पर दिगम्बर श्वेताम्बर थानक समाज का भव्य विशाल शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकाल गई इसके बाद सभी जिन मन्दिरों में दान दिवस पर विभिन्न आयोजन किए गए।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com